(ङ) और (च) आंतरिक मांग को पूरा करने के लिए आयात किया जाता है । 1993–94 (जनवरी, 1994 तक) के दौरान आयात की मात्रा लगभग 4,98,618 मीटरी टन थी जब कि निर्यात कि मात्रा 33,087 मीटरी टन थी । वर्ष 1994–95 के लिए दालों के आयात और निर्यात का अनुमान लगाना अभी संभव नहीं है । आयात और निर्यात की मात्रा स्वदेशी उत्पादन, आंतरिक मूल्य, अंतर्राष्ट्रीय मूल्य, आयात शुल्क और विदेशी बाजारों में उपलब्धता पर निर्भर करती है ।

कृषि क्षेत्र में उत्पादन दर/लागत

6044. **श्रीमती सुषमा स्वराज :**
प्रो० विजय कुमार मल्होत्रा :

क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि देश में कृषि क्षेत्र में उत्पादन लागत में कमी लाने और औसत उत्पादन दर में वृद्धि करने की अत्यंत आवश्यकता है ;

(ख) यदि हां, तो क्या यह सच है कि कृषि क्षेत्र में शोध एवं अनुसंधान पर वहन किया जाने वाला व्यय कुल व्यय का मात्र 0.163 प्रतिशत के लगभग है ;

(ग) यदि नहीं, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ;

(घ) क्या यह भी सच है कि देश में कृषि का अपेक्षित विकास न हो पाने के कारण सकल राष्ट्रीय उत्पाद में कृषि का अंश गत चार दशकों से निरंतर कम होता जा रहा है ;

(ङ) यदि हां, तो क्या सरकार कृषि क्षेत्र में शोध एवं अनुसंधान कार्य में गति लाने के लिए नए सिरे से विचार करके कोई कार्य योजना तैयार करेगी ; और

(च) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और यदि नहीं तो इसके क्या कारण हैं ?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अरविंद नेताम) : (क) उत्पादन लागत को घटाने तथा उत्पादन दर को बढ़ाने की गुंजाईश हमेशा रहती है । आधुनिक प्रौद्योगिकी के प्रयोग को बढ़ाकर, फार्म प्रबंध विधियों आदि के माध्यम से उत्पादन लागत को घटाने का हर संभव प्रयास किया जा रहा है ;

(ख) जी, नहीं ।

(ग) प्रश्न ही नहीं उठता ।

(घ) जी, हां । अधिक विकास संभावना वाले द्वितीय एवं तृतीयक क्षेत्रों के विकास से सकल घरेलू उत्पाद के प्रतिशत में कृषि का योगदान आमतौर पर घटता है ।

(ङ) और (च) देश में अनुसंधान नेटवर्क 45 अनुसंधान संस्थानों, 40 राष्ट्रीय ब्यूरो, 30 राष्ट्रीय अनुसंधान केन्द्रों, 9 परियोजना निदेशालयों तथा 77 अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजनाओं के माध्यम से संचालित होता है। चूंकि फार्म अनुसंधान के लिए आबंटन पर्याप्त नहीं है, परिव्यय की अपर्याप्तता के दुष्प्रभाव को कम करने के लिए अनुसंधान गतिविधियों का पुनर्गठन किया गया है ।

देश में ऊसर भूमि

6045. **श्रीमती सुषमा स्वराज :**
श्री राम जेठमलानी :

क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि देश में लगभग 17.30 करोड़ हैक्टेयर कृषि योग्य भूमि उपलब्ध है ;

(ख) क्या यह भी सच है कि इस समय 14.20 करोड़ हैक्टेयर भूमि पर ही खेती की जा रही है, यदि नहीं तो इस संबंध में ब्यौरा क्या है ;

(ग) क्या सरकार ने शेष कृषि योग्य भूमि को कृषि क्षेत्र के अंतर्गत लाने के लिए कोई समयबद्ध योजना तैयार की है ; और